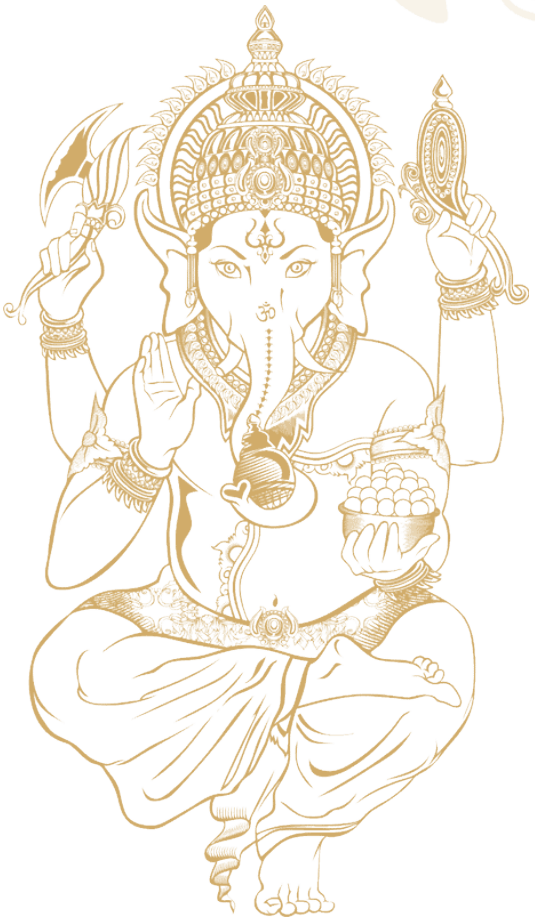

Mr.

25 Mar 1994

10:20 PM

Ajmer

Model: web-freekundliweb

Order No: 121557103

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**25/03/1994**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**22:20:00 घंटे**
इष्ट	39:33:19 घटी
स्थान	**Ajmer**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:29:00 उत्तर
रेखांश	74:40:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:31:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:48:40 घंटे
वेलान्तर	-00:06:05 घंटे
साम्पातिक काल	10:00:19 घंटे
सूर्योदय	06:30:40 घंटे
सूर्यास्त	18:44:37 घंटे
दिनमान	12:13:57 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	11:01:41 मीन
लग्न के अंश	29:06:38 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शूल
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मो-मोहन
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	29:06:38	310:33:31	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	---
सूर्य			मीन	11:01:41	00:59:25	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	16:19:38	14:44:44	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
मंगल		अ	कुंभ	20:33:16	00:47:03	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
बुध			कुंभ	14:17:20	01:15:04	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
गुरु	व		तुला	19:54:17	00:04:30	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	27:26:41	01:14:13	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	उच्च राशि
शनि			कुंभ	12:51:05	00:06:44	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	01:12:53	00:07:57	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	01:12:53	00:07:57	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	सम राशि
हर्ष			मक	02:01:08	00:01:46	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
नेप			धनु	29:18:38	00:01:00	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	04:07:31	00:00:48	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			सिंह	04:07:37	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:50

लग्न-चलित

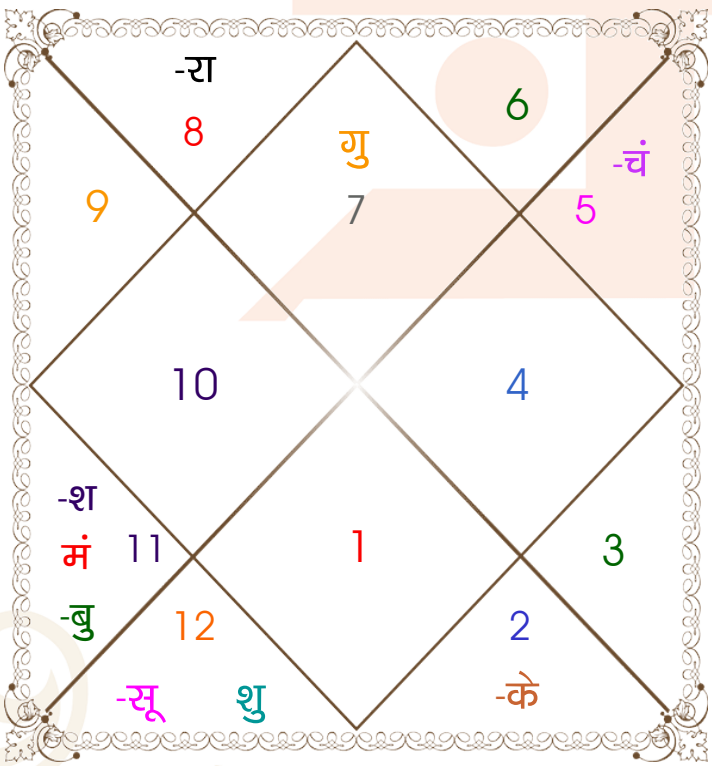

चन्द्र कुंडली

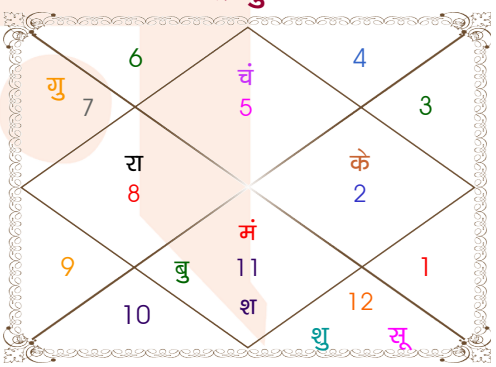

नवमांश कुंडली

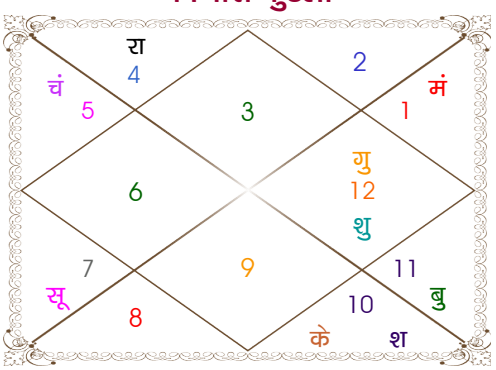

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 15 वर्ष 6 मास 3 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
25/03/1994		27/09/2009		28/09/2015		27/09/2025		27/09/2032	
27/09/2009		28/09/2015		27/09/2025		27/09/2032		27/09/2050	
	00/00/0000	सूर्य	15/01/2010	चंद्र	28/07/2016	मंगल	23/02/2026	राहु	10/06/2035
	25/03/1994	चंद्र	16/07/2010	मंगल	26/02/2017	राहु	14/03/2027	गुरु	03/11/2037
चंद्र	28/09/1995	मंगल	21/11/2010	राहु	28/08/2018	गुरु	18/02/2028	शनि	09/09/2040
मंगल	27/11/1996	राहु	16/10/2011	गुरु	28/12/2019	शनि	29/03/2029	बुध	29/03/2043
राहु	28/11/1999	गुरु	03/08/2012	शनि	28/07/2021	बुध	26/03/2030	केतु	16/04/2044
गुरु	29/07/2002	शनि	16/07/2013	बुध	28/12/2022	केतु	22/08/2030	शुक्र	16/04/2047
शनि	27/09/2005	बुध	23/05/2014	केतु	29/07/2023	शुक्र	22/10/2031	सूर्य	10/03/2048
बुध	28/07/2008	केतु	27/09/2014	शुक्र	29/03/2025	सूर्य	27/02/2032	चंद्र	09/09/2049
केतु	27/09/2009	शुक्र	28/09/2015	सूर्य	27/09/2025	चंद्र	27/09/2032	मंगल	27/09/2050

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
27/09/2050		27/09/2066		27/09/2085		28/09/2102		28/09/2109	
27/09/2066		27/09/2085		28/09/2102		28/09/2109		00/00/0000	
गुरु	15/11/2052	शनि	30/09/2069	बुध	24/02/2088	केतु	25/02/2103	शुक्र	28/01/2113
शनि	29/05/2055	बुध	09/06/2072	केतु	20/02/2089	शुक्र	26/04/2104	सूर्य	28/01/2114
बुध	03/09/2057	केतु	19/07/2073	शुक्र	22/12/2091	सूर्य	01/09/2104	चंद्र	26/03/2114
केतु	10/08/2058	शुक्र	18/09/2076	सूर्य	27/10/2092	चंद्र	02/04/2105		00/00/0000
शुक्र	10/04/2061	सूर्य	31/08/2077	चंद्र	29/03/2094	मंगल	29/08/2105		00/00/0000
सूर्य	27/01/2062	चंद्र	01/04/2079	मंगल	26/03/2095	राहु	16/09/2106		00/00/0000
चंद्र	29/05/2063	मंगल	10/05/2080	राहु	12/10/2097	गुरु	23/08/2107		00/00/0000
मंगल	04/05/2064	राहु	17/03/2083	गुरु	18/01/2100	शनि	01/10/2108		00/00/0000
राहु	27/09/2066	गुरु	27/09/2085	शनि	28/09/2102	बुध	28/09/2109		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 15 वर्ष 5 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म समय मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन राशि का नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण लग्न भी उदित था। प्रस्तुत ज्योतिषीय आकृति के अनुसार यह स्मरणीय है कि आप में दुर्भावनाओं से युक्त नकारात्मक गुण विद्यमान है। आप सौभाग्यशाली हैं। आप वैक्तिक विशेषता के प्रभाव से समुचित धन सम्पत्ति युक्त जीवन, बिना किसी भी इच्छा के अनुरूप समुचित ढंग से व्यतीत करेंगे।

आपकी चारित्रिक नाकारात्मक उत्कंठा अन्यों के विकास के लिए असहयनीय है। आप जब किसी को धन संचय करते हुए अथवा संपत्ति अर्जन करते देखते हों तब आप इर्ष्यात्मक प्रवृति से युक्त होकर उसके कार्य को नष्ट करने के लिए सुनिश्चित होकर उसके पीछे पड़ कर खुद प्राप्त न कर उसे बिगाड़ देना ठीक समझते हो। इसके संबंध में आपको क्या करना चाहिए यह रहस्य अन्यों की अपेक्षा आप स्वयं जानते है। आप लापरवाही से अपनी बड़ाई के लिए बहुत अधिक लोगों पर प्रभाव जमाते हों। यह प्रवृति आपको मात्र अप्रसिद्ध ही नहीं बनाता बल्कि सर्वदा आपके प्रगति के पथ पर अनेकों प्रकार से विरोध प्रदर्शन करते हैं।

आप में सामान्य ज्ञान और सक्षमता विद्यमान है कि आप प्रतिपक्ष पर विजय प्राप्त कर लेते हों परंतु आप अनेकों को अपना स्थायी शत्रु बना लेते हैं। इस प्रकार आप कठिन श्रम संपादन हेतु उपयुक्त हो। मुख्यतः आप अपनी आयु की प्रथम अवधि 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वें वर्ष से 34 वे वर्ष के मध्य काफी धन संपत्ति का उपार्जन एवं लाभ प्राप्त करेंगे। आप अपनी आय का यथेष्ठ अंश अपने निरंतर भ्रमण पर तथा अपने घर को नवीनतम साज-शय्याओं से युक्त करने पर व्यय करेंगे।

आप अपना परिवार जीवन सुखदपूर्ण व्यतीत करेंगे। आप स्वयं के सुख हेतु सुव्यवस्था पूर्वक सभी इंतजाम करेंगे। आप निःसंदेह पूर्वक अपनी समझदार पत्नी एवं बच्चों से बहुत स्नेह रखेंगे। परंतु आप सदैव वासनात्मक भावनाओं से चिंतित रह सकते है तथा विपरीत योनि के प्रति आकर्षित रहेंगे। क्योंकि आपकी आकर्षक आंखे विपरीत योनि को आकर्षित करती हैं। आपको इस प्रकार की रोमांचित प्रवृति के प्रति झुकाव नहीं रखकर अपने सहज परिवारिक जीवन को आनंदित रखने के लिए आश्वस्त होना चाहिए।

आप अपने लिए योग्य एवं उपयुक्त जीवन संगिनी का चुनाव कर सकते हैं जिसका जन्म मिथुन अथवा कुंभ राशि में हुआ हो। परंतु आप मीन राशि, मकर एवं कर्क राशि के जातक का चयन कर अपने सामान्य जीवन को संघर्षपूर्ण करेंगे।

आपका स्वास्थ्य अधिकांशतः सुंदर एवं ठीक रहेगा। परंतु इसके अतिरिक्त ऐसी संभावना है कि आप कतिपय रोगों से प्रभावित भी हो सकते हैं यथा डायविटिज, किडनी की परेशानी तथा बाद में ट्यूमर युक्त रोग की आशंका है। अतः आपको इस रोग के प्रति सुरक्षात्मक कदम उठाना चाहिए।

आपके लिए अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक लाभदायक है। परंतु 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।